"निर्धनता दैवीय श्राप नहीं अपितु मानवीय सृष्टि है - महात्मा गाँधी"

समूह शक्ति

जयपुर | माह - मार्च-अप्रैल 2014 | वर्ष - दो | अंक - 3 | मासिक समाचार पत्र

राजीविका परियोजनाकर्मियों हेतु आयोजित विजनिंग कार्यशाला

राष्ट्रीय मिशन निदेशक (एन.एम.एम.यू.) विज़निंग कार्यशाला में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये।

राष्ट्रीय मिशन प्रबन्धन इकाई (एन.एम.एम.यू.), नई दिल्ली द्वारा राजीविका परियोजनाकर्मियों के लिए राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, जयपुर में 4 दिवसीय कार्यशाला विज़निंग एक्सरसाईज़ (Visioning Exercise) का आयोजन किया गया। 2–5 अप्रैल 2014 को आयोजित इस कार्यशाला का संपादन डा. अमित्व मुखर्जी, वरिष्ठ सलाहकार (एन.एम.एम.यू.) व डा. राकेश मल्होत्रा, सलाहकार (एन.एम.एम.यू.) द्वारा किया गया। कार्यशाला में डा. मुखर्जी ने किसी भी संस्था के अस्तित्व में आने के उद्देश्यों, विभिन्न कार्यों एवं सार्वजनिक छवि के विषय पर चर्चा करते हुए संस्था के लिये विज़न, मिशन, आधारभूत मूल्यों एवं संस्था की एक अलग पहचान की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। डा. मुखर्जी के सहयोग एवं उत्प्रेरणा से कार्यशाला में उपस्थित राजीविका परियोजनाकर्मियों द्वारा समूह चर्चा व अन्य व्यवहारिक क्रियाकलापों के माध्यम से राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के विज़न व मिशन कथन, आधारभूत मूल्य एवं मूल्यों को केन्द्र में रखते हुये विभिन्न कार्यात्मक बिंदु तैयार किये गये।

कार्यशाला के समापन दिवस पर उपस्थित श्री टी. विजय कुमार, राष्ट्रीय मिशन डायरेक्टर (एन.एम.एम.यू.) ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह प्रक्रिया अगले 5 वर्षों में राजीविका द्वारा किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा एवं स्वरूप स्पष्ट करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

वार्षिक कार्ययोजना में जिलेवार लक्ष्यों का निर्धारण

परिषद् द्वारा संचालित परियोजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014–15 की कार्ययोजना तैयार कर प्रत्येक जिले के लिये विभिन्न क्रियान्वयन गतिविधियों में लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। वार्षिक कार्ययोजना 2014–15 बनाने के उद्देश्य से श्री राजीव सिंह ठाकुर, राज्य मिशन निदेशक, राजीविका की अध्यक्षता में 24–25 अप्रैल 2014 को राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई के अधिकारियों एवं जिला परियोजना प्रबंधन इकाईयों की संयुक्त बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में 20 जिलों से आये जिला परियोजना प्रबन्धकों एवं प्रबंधकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान वर्ष 2014–15 में रिसोर्स व इन्टेन्सिव ब्लॉक में परियोजना क्रियान्वयन रणनीति पर विचार विमर्श किया गया तथा विभिन्न गतिविधियों के अन्तर्गत अपेक्षित परिणामों के आधार पर प्रत्येक जिले के लिये लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं।

एक झलक मार्च–अप्रैल 2014

विज़निंग एक्सरसाईज़ (Visioning Exercise) कार्यशाला में डा. अमित्व मुखर्जी, वरिष्ठ सलाहकार (एन.एम.एम.यू.), श्री. टी. विजय कुमार, राष्ट्रीय मिशन निदेशक (एन.एम.एम.यू.) श्री राजीव सिंह ठाकुर, राज्य मिशन निदेशक, राजीविका को कार्यशाला के दौरान कर गई गतिविधि के विषय में बताते हुये।

श्री. टी. विजय कुमार, राष्ट्रीय मिशन निदेशक (एन.एम.एम.यू.), व श्री राजीव सिंह ठाकुर, राज्य मिशन निदेशक, राजीविका आंध्रप्रदेश इमर्शन कार्यक्रम में भाग लेकर लौटे बैंक अधिकारियों से वार्ता करते हुये।

राजसमन्द के रिसोर्स ब्लॉक देवगढ़ के बैंक अधिकारियों के आंध्रप्रदेश इमर्शन विज़ीट के पश्चात, श्री जितेन्द्र उपाध्याय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, राजसमन्द की अध्यक्षता में आयोजित अनुभव आदान प्रदान कार्यशाला।

आंतरिक क्रियान्वयन सहयोग दल (IIST) के सदस्य श्री अनिल कुमार व श्री मनोज गुप्ता डूंगरपुर जिले के पुनाली कलस्टर में जय अम्बे माँ स्वयं सहायता समूह की बैठक में भाग लेते हुये।

मैत्री महिला मण्डल (फेडरेशन), दूनी की अध्यक्ष श्रीमती मीरा चौधरी द्वारा फेडरेशन की गतिविधियों पर विश्व बैंक मिशन के समक्ष पावर पॉइन्ट के माध्यम से प्रस्तुतिकरण।

डूंगरपुर जिले मे आजीविका उप–परियोजना पर विचार मंथन हेतु आयोजित कार्यशाला में उपस्थित श्री विक्रम सिंह, जिला कलक्टर, डूंगरपुर व सी.ई.ओ. जिला परिषद, राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई के प्रतिनिधि श्री रवीन्द्र कुमार, व श्री ओ.पी. जोशी, जिला परियोजना प्रबन्धक डूंगरपुर।

सक्रिय महिलाओं से मिले राष्ट्रीय मिशन निदेशक, महिलाओं ने साझा किये इमर्शन अनुभव

बैठक के दौरान अपने अनुभव व्यक्त करती सक्रिय महिला

श्री. टी. विजय कुमार, राष्ट्रीय मिशन निदेशक (एन.एम.एम.यू.), के राजीविका में दो दिवसीय दौरे के दौरान 5 अप्रैल 2014 को राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आयोजित बैठक में झालावाड़, टोंक, डूंगरपुर, उदयपुर, धौलपुर, बांसवाड़ा व चूरू से आयी सक्रिय महिलाओं ने राष्ट्रीय मिशन निदेशक के समक्ष आंध्र प्रदेश में हुये इमर्शन (Immersion) के अनुभवों को व्यक्त किया।

अपने अनुभवों के आधार पर इन महिलाओं ने स्पष्ट किया कि यह 10 दिवसीय इमर्शन कार्यक्रम उनके लिये अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा। महिलाओं के आत्मविश्वास, समूह के प्रति उनकी निष्ठा, आत्मनिर्भर बनने एवं गरीबी से बाहर निकलने की लग्न से मिशन निदेशक अत्यधिक प्रभावित हुये। बैठक में श्री राजीव सिंह ठाकुर, राज्य मिशन निदेशक, डा0 राकेश मल्होत्रा, सलाहकार (एन.एम.एम.यू.) सहित राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई के अधिकारीगण एवं राज्य परियोजना प्रबंधन इकाईयों के स्टाफ भी उपस्थित थे।

स्वयं सहायता समूह के लिये प्रशिक्षण सामग्री तैयार

परिषद के अन्तर्गत गठित किये गये स्वयं सहायता समूहों के कुशल समूह प्रबन्धन एवं संचालन हेतु आवश्यक आधारभूत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये आवश्यक प्रशिक्षण मॉडयूल्स् एवं सामग्री तैयार करने के उद्देश्य से 9–12 अप्रैल, 2014 को राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान, जयपुर में रॉइट शॉप (Write-Shop) आयोजित की गयी। रॉइट शॉप में राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई, जिला परियोजना प्रबंधन इकाई व गैरसरकारी संगठनों 'प्रदान' व 'सी.एम.एफ.' आदि के प्रतिनिधियों सहित कुल आठ सहभागियों ने भाग लिया। रॉइट शॉप के दौरान सभी सहभागियों द्वारा समूह की प्रारम्भिक स्तरीय प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुरूप 'स्वयं सहायता समूह प्रशिक्षण मार्गदर्शिका' तैयार की गई। प्रशिक्षण मार्गदर्शिका में समूह प्रशिक्षण के लिये 5 मूलभूत प्रशिक्षण मॉडयूल्स् यथा 1.समूह आमुखीकरण एवं प्रबंधन प्रशिक्षण, 2. समूह नेतृत्व विकास, 3. लेखा–जोखा संधारण (Book keeping) प्रशिक्षण, 4. बैंक खाता प्रबंधन, 5. विवाद निस्तारण प्रबंधन सहित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण पद्धति, एवं सहायक सामग्री आदि का समावेशन किया गया है। मार्गदर्शिका में समावेशित 5 प्रशिक्षण मॉडयूल्स के आधार पर प्रशिक्षण सी.आर.पी. व संदर्भ व्यक्ति (रिसोर्स पर्सन) द्वारा समूहों को प्रशिक्षण दिया जायेगाा।

39 बैंक प्रबन्धकों का आंध्रप्रदेश में इमर्शन

राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत 10 रिसोर्स ब्लॉक में कार्यरत विभिन्न बैंकों के 39 बैंककर्मियों के लिये सोसायटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पावर्टी (सर्प), आंध्रप्रदेश द्वारा दो चरणों में इमर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। 22–28 फरवरी, 2014 को आंध्रप्रदेश के वारांगल जिले में आयोजित इमर्शन कार्यक्रम में कुल 18 बैंककर्मियों व 2–8 मार्च, 2014 को अनन्तपुर जिले में आयोजित किये गये इमर्शन कार्यक्रम में कुल 21 बैंककर्मियों ने भाग लिया।

इन दोनों कार्यक्रमों में प्रतिभगियों के रूप में मुख्यतः बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, पंजाब नैशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय बैंक आदि के बैंक प्रबन्धक सम्मिलित थे। इस इमर्शन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बैंक के प्रतिनिधियों को स्वयं सहायता समूह की अवधारणा एवं इनके विकास में वित्तीय समावेशन तथा बैंक लिंकेज की महत्ता से अवगत कराना था।

आंध्रप्रदेश इमर्शन के पश्चात बैंककर्मियों की कार्यशाला

प्रमुख शासन सचिव (ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज) कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये

जयपुर– आर.आर.एल.पी. के अन्तर्गत 10 रिसोर्स ब्लॉक में कार्यरत विभिन्न बैंकों के 39 बैंककर्मियों ने आंध्रप्रदेश में इमर्शन कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात बैंककर्मियों के अनुभवों को साझा करने तथा राजस्थान के परिपेक्ष में स्वयं सहायता समूहों एवं उनके वित्तीय समावेशन की कार्यनीति के विषय में चर्चा करने के उद्देश्य से 13 मार्च 2014 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में श्री श्रीमत पांडे, प्रमुख शासन सचिव (ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग) व श्री राजीव सिंह ठाकुर, शासन सचिव (ग्रामीण विकास) एवं स्टेट मिशन डायरेक्टर (राजीविका) सहित राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई से वरिष्ठ अधिकारी एवं सम्बन्धित जिला परियोजना प्रबन्धक उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त SLBC, नाबार्ड, भारतीय स्टेट बैंक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, तथा ICICI बैंक के प्रतिनिधियों ने भी कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला के दौरान आंध्रप्रदेश में इमर्शन में भाग लेकर लौटे समस्त प्रतिभागियों के 6 समूहों ने प्रस्तुतिकरण कर अपने अनुभव व्यक्त किये।

कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों के मध्य हुई चर्चा में राजीविका के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों के बैंक लिंकेज को प्रोत्साहित करने के लिये कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। इन सुझावों में राजीविका एवं राज्य के अग्रणी बैंकों के मध्य एग्रीमेंट, बैंक मित्रा मॉडल का कुछ जिलों में पायलट रूप में क्रियान्वयन, सी.डी.ओ. में ऋण उपसमिति का प्रोत्साहन एवं क्षमता विकास, समूहों के रिकार्ड संधारण में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना आदि का समर्थन समस्त प्रतिभागियों द्वारा किया गया।

अनिल कुमार सिंह
विशेषज्ञ (वित्तीय समावेशन), एस.पी.एम.यू., जयपुर।

विश्व बैंक मिशन द्वारा परियोजना प्रगति की समीक्षा

राजीविका द्वारा राज्य में विश्व बैंक की सहायता से क्रियान्वित की जा रही राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से पाँचवे विश्व बैंक मिशन ने 24फरवरी से 11 मार्च 2014 तक राज्य का दौरा किया गया। मिशन में टास्क टीम लीडर (TTL) श्री बिस्वजीत सेन सहित विश्व बैंक के अन्य 7 प्रतिनिधि श्री आदर्श कुमार, श्री जयपाल सिंह, श्री एस.बालागोपाल, श्री अजय सूद, श्री सविनय ग्रोवर, श्री विनायक तथा सुश्री मनीषा जानी भी सम्मिलित थे। इस 15 दिवसीय दौरे के आरंभ में विश्व बैंक के प्रतिनिधियों ने तीन दलों में दौसा, टोंक एवं झालावाड़ ज़िले में फील्ड विज़िट कर परियोजनान्तर्गत किये जा रहे कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा की। तत्पश्चात जयपुर में 4 मार्च को राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई के समस्त अधिकारियों तथा 6 मार्च को समस्त जिला परियोजना प्रबन्धकों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विश्व बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा समस्त अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार विमर्श कर गत माहों की प्रगति की सराहना करते हुये भविष्य में भी क्रियान्वयन की गति को बढ़ाने के विषय पर चर्चा की गई।

परियोजना क्रियान्वयन उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु चार जिलों को किया सम्मानित

डी.पी.एम. डूंगरपुर प्रमुख शासन सचिव (ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज) द्वारा मोमेन्टो प्राप्त करते हुये।

जयपुर– पाँचवे विश्व बैंक मिशन द्वारा परियोजना प्रगति की समीक्षा के दौरान 6 मार्च 2014 को जिला परियोजना प्रबन्धकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। श्री श्रीमत पांडे, प्रमुख शासन सचिव (ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग) की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में श्री राजीव सिंह ठाकुर, शासन सचिव (ग्रामीण विकास) एवं स्टेट मिशन डायरेक्टर (राजीविका) सहित विश्व बैंक मिशन दल के सदस्य, राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई से समस्त अधिकारी एवं जिला परियोजना प्रबन्धक उपस्थित थे।

बैठक के दौरान परियोजना क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार जिलों डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर व धौलपुर के जिला परियोजना प्रबन्धकों को श्री श्रीमत पांडे, प्रमुख शासन सचिव (ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग) द्वारा मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रिसोर्स ब्लॉक में चयनित सक्रिय महिलाओं का आंध्रप्रदेश में इमर्शन

राजीविका जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई, टोंक द्वारा रिसोर्स ब्लॉक निवाई (आरआरएलपी) से चयनित 8 सक्रिय महिलाओं व 1 पी.एफ.टी. के दल को काकीनाड़ा, आन्ध्रप्रदेश में सोसायटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पावर्टी, (SERP) द्वारा 21 फरवरी से 2 मार्च, 2014 तक आयोजित इमर्शन कार्यक्रम में भाग लिया। सक्रिय महिलाओं के दल 5 मार्च, 2014 को निवाई रिसोर्स ब्लॉक पहुंचने पर पी.एफ.टी. कार्यालय निवाई में इमर्शन के दौरान अनुभव के आदान–प्रदान हेतु औपचारिक चर्चा की गयी।

आर.आर.एल.पी. के अन्तर्गत झालावाड़, चूरू, बारां, कोटा, टोंक, बांसवाड़ा व उदयपुर जिले में सी.आर.पी. राउण्ड के दौरान चयनित सक्रिय महिलाओं (वीमेन एक्टिविस्टस) में से अब तक 86 महिलाओं लिये गोदावरी महासमाख्या, काकीनाड़ा, आंध्रप्रदेश मे 10 दिवसीय इमर्शन कार्यक्रम आयोजित कराया गया है। इमर्शन कार्यक्रम के दौरान इन महिलाओं को समूह गठन, समूह की बैठक प्रक्रिया, सी.डी.ओ. की बैठक प्रक्रिया, सी.डी.ओ. मे विभिन्न उपसमितियों की भूमिका, बुक कीपिंग तथा सी.आर.पी. के कार्य आदि के विषय मे विस्तृत जानकारी दी गई।

N. Satish
State Anchor Person, SERP

सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं द्वारा विश्वास जताया गया कि इमर्शन के दौरान प्राप्त अनुभवों को हम अपने ग्राम में योजनान्तर्गत गठित समूहों में चर्चा करेगें व भविष्य में इन समूहों को भी सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने व महिला सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति व आजीविका गतिविधि के माध्यम से गरीबी हटाने का प्रयास करेगें साथ ही सक्रिय महिला के रूप में ग्राम व आसपास के समूहों को सतत् चलाकर सदस्यों को लाभ दिलवाने में सहयोग प्रदान करेगें।

पूजा शर्मा
जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, टोंक।

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् "राजीविका" जयपुर द्वारा प्रकाशित।

प्रकाशक : राजीव सिंह ठाकुर (आई.ए.एस.), स्टेट मिशन डायरेक्टर (राजीविका)। **पता** : तृतीय तल, आरएफसी ब्लॉक, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर (राज.)।
सम्पादक : हरदीप सिंह चोपड़ा, परियोजना निदेशक, (राजीविका)। **दूरभाष** : 0141–2227011, 2227416, **फैक्स** : 0141–2227723
संकलन : अंजु बर्क **वेबसाईट**: www.rgavp.org

Printed by: **Bhavan Graphic Printers** # 09413341320